भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या: 71
गुरुवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ानों का संचालन न होना

***71. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कुंभ आयोजन के बाद बांदा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के चित्रकूट जिले में स्थित देवांगना विमानपत्तन से उड़ानें संचालित न होने के क्या कारण हैं;
(ख) देवांगना विमानपत्तन से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का संचालन कब तक शुरू होने की संभावना है;
(ग) चित्रकूट को देश के अन्य भागों से जोड़ने के लिए वर्तमान में संचालित या प्रस्तावित घरेलू उड़ानों की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या उक्त विमानपत्तन को व्यावसायिक रूप से अर्थक्षम बनाने के लिए वहां से मालवाहक विमानों का भी संचालन किए जाने की संभावना है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे कब तक शुरू किए जाने की संभावना है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"उड़ानों का संचालन न होना" के संबंध में श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल द्वारा पूछे गए दिनांक 24.07.2025 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 71 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) : क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-'उड़ान') की बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण के अंतर्गत चित्रकूट हवाईअड्डे को विकास के लिए चिह्नित किया गया था। हवाईअड्डे का विकास 32.79 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और इसे 2बी-वीएफआर परिचालनों के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है। 'उड़ान' योजना के तहत, फ्लाईबिग एयरलाइंस द्वारा चित्रकूट और लखनऊ के बीच आरसीएस उड़ान परिचालन दिनांक 12 मार्च 2024 को शुरू किया गया था। तथापि, दो प्रमुख परिचालन चुनौतियों अर्थात खराब दृश्यता की स्थिति और रनवे री-कार्पेटिंग कार्य हेतु लखनऊ हवाईअड्डे का दिन के समय बंद होने के कारण दिनांक 15 दिसंबर 2024 को ये सेवा बंद कर दी गई थी। लखनऊ हवाईअड्डे पर जारी री-कार्पेटिंग कार्य के पूर्ण होने पर परिचालनों को पुनः आरंभ किया जाएगा।

(ख) : चित्रकूट हवाईअड्डा एक घरेलू हवाईअड्डा है जो छोटे विमानों (19 सीटर या उससे कम) के परिचालन की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में, इस हवाईअड्डे से अंतर्राष्ट्रीय परिचालन शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) : आरसीएस-'उड़ान' योजना के तहत चित्रकूट को प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर और खजुराहो से जोड़ने वाले आरसीएस मार्ग फ्लाईबिग एयरलाइन को अवार्ड किए गए हैं।

(घ) और (ङ) : वर्तमान में, चित्रकूट हवाईअड्डे पर कोई कार्गो टर्मिनल मौजूद नहीं है और घरेलू एयरलाइनों से इसके लिए कोई माँग प्राप्त नहीं हुई है। मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से नियंत्रणमुक्त हो गया। एयरलाइनें संबंधित हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा आवंटित स्लॉट और डीजीसीए से शेड्यूल की आगे की स्वीकृति के आधार पर किसी भी प्रकार के विमान के साथ क्षमता निर्माण करने, सेवा हेतु स्वैच्छा से किसी भी बाज़ार और नेटवर्क का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, यह एयरलाइन प्रचालक पर निर्भर करता है कि वे अपनी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी हवाईअड्डे से/हवाईअड्डे तक कार्गो सेवाओं की शुरुआत या निरंतरता पर विचार करे।

*****